www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

सूर्योदय सुबह 5:25 बजे
सूर्यास्त शाम 7:23 बजे

• साल-1 • अंक-264 • पृष्ठ-8 • मूल्य-5 रूपये • शनिवार 30 मई 2026 • चंडीगढ़ • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर

ब्लू ओरिजिन के लॉन्चपैड पर टेस्टिंग के दौरान ब्लास्ट

फ्लोरिडा। अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनी ब्लू ओरिजिन के रॉकेट लॉन्चपैड पर टेस्टिंग के दौरान अचानक विस्फोट हो गया। हादसा उस समय हुआ जब रॉकेट के सिस्टम का परीक्षण किया जा रहा था। कंपनी प्रमुख जेफ बेजोस ने बयान जारी कर कहा कि इस घटना में कोई कर्मचारी घायल नहीं हुआ है और सभी सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि यह एक तकनीकी परीक्षण था और टीम जल्द ही सुधार कर दोबारा प्रयास करेगी।

कंपनी ने घटना की जांच शुरू कर दी है और तकनीकी कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्रारंभिक तौर पर इसे टेस्टिंग प्रक्रिया के दौरान हुई तकनीकी खराबी माना जा रहा है।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपोर्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 7986630191 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

If you want to publish your advertisement on our newspaper

समर एक्सप्रेस

CONTACT: +91 6283 860 059

आप का परचमः पांच निगमों पर कब्जा, 950 से ज्यादा वार्ड जीते

मोहाली, बठिंडा, मोगा, बरनाला व बटाला निगमों में बंपर जीत, कपूरथला में कांग्रेस, अबोहर में भाजपा को बहुमत, पठानकोट में पेंच फंसा

▪ 386 वार्डों में कांग्रेस को मिली जीत, 191 पर शिअद, 169 के साथ भाजपा पांचवें नंबर पर रही

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाब के नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों के नतीजों में आम आदमी पार्टी ने बंपर जीत हासिल की। राज्यभर में कुल 1977 वार्डों में से 951 में आप ने जीत दर्ज की। 386 वार्डों में कांग्रेस को जीत मिली, जबकि 191 पर शिअद ने बाजी मारी। 258 वार्डों पर निर्दलीय या अन्य पार्टियों के उम्मीदवारों ने परचम लहराया। भाजपा 169 वार्डों में जीत के साथ पांचवें नंबर पर रही।

आठ में से पांच नगर निगमों मोहाली, बठिंडा, मोगा, बरनाला और बटाला पर आम आदमी पार्टी ने कब्जा किया। कपूरथला में कांग्रेस ने कब्जा किया। अबोहर में भाजपा को बहुमत मिला। पठानकोट में पेंच फंस गया है। यहां भाजपा बहुमत से 4 सीटें दूर है। हालांकि पूरे राज्य में आप का दबदबा रहा, लेकिन कांग्रेस ने कपूरथला में बहुमत हासिल कर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जनता अभी भी पार्टी की पारंपरिक पकड़ और स्थानीय नेतृत्व पर भरोसा कर रही है। कई अन्य जिलों में भी कांग्रेस उम्मीदवारों ने कड़ी टक्कर दी, हालांकि पार्टी अपेक्षित स्तर की सफलता हासिल नहीं कर सकी।

सीमावर्ती और व्यापारिक क्षेत्र अबोहर व पठानकोट में भारतीय जनता पार्टी ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए बहुमत हासिल किया। भाजपा नेताओं ने इसे शहरी वोटरों में पार्टी की बढ़ती स्वीकार्यता बताया। पार्टी का दावा है कि कारोबार, बुनियादी ढांचे और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर लोगों ने भाजपा को समर्थन दिया। हालांकि राज्य के अन्य हिस्सों में भाजपा को सीमित सफलता मिली।

कुल वार्ड	आप	कांग्रेस	भाजपा	शिअद	अन्य
1977	954	393	172	192	251
मोहाली 50 वार्ड	26	12	3	4	5
बठिंडा 50 वार्ड	35	5	1	3	6
पठानकोट 50 वार्ड	10	18	22	0	0
कपूरथला 50 वार्ड	11	31	3	3	2
अबोहर 50 वार्ड	20	1	28	0	1
बटाला 50 वार्ड	30	18	2	0	0
मोगा 50 वार्ड	30	7	3	3	7

बठिंडाः विधानसभा स्पीकर की सास हरबंस कौर जीतीं

समर न्यूज़ | बठिंडा

बठिंडा नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी को बड़ी सफलता मिली है। पंजाब विधानसभा के स्पीकर और कोटकपूरा से विधायक कुलतार सिंह संधवां की सास हरबंस कौर ने वार्ड नंबर-5 से चुनाव जीत लिया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 264 वोटों के अंतर से हराकर जीत दर्ज की। करीब 70 वर्षीय हरबंस कौर बठिंडा के बरनाला रोड स्थित हजूरा कपूरा कॉलोनी की निवासी हैं और गृहिणी हैं। उनके पति भोला सिंह मलूका थर्मल प्लांट टेक्निकल इंप्लाइज यूनियन के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। परिवार का राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में लंबे समय से प्रभाव रहा है। उनका बेटा पंजाब पुलिस में सब-इंस्पेक्टर के पद पर तैनात है।

सीएम भगवंत मान का विपक्ष पर हमला

नतीजों के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो पार्टियां दूसरे राज्यों में अपनी जीत का दावा करती हैं, पंजाब में वे पांचवें नंबर पर पहुंच गई हैं। मान का यह बयान सीधे तौर पर राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय विपक्षी दलों की ओर इशारा माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता ने पारंपरिक राजनीति और भ्रष्टाचार के खिलाफ वोट दिया है।

चार नगर काउंसिलों में चुनाव 13 जून को

समर न्यूज़ | पठानकोट/गुरदासपुर

राज्य चुनाव आयोग पंजाब ने नगर कौंसिल दीनानगर, गुरदासपुर, कादियां और शाम चौरासी में चुनाव प्रक्रिया कल यानि शनिवार से शुरू हो जाएगी। संबंधित क्षेत्रों में आदर्श चुनाव आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है, जो पूरी चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने तक जारी रहेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, इच्छुक उम्मीदवार 30 मई शनिवार से अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 3 जून दोपहर 3 बजे तक होगी।

▪ विपक्ष ने उठाए सवाल

कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल ने कई जगह चुनाव प्रक्रिया और प्रशासनिक मशीनरी के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठाए। विपक्षी दलों का आरोप है कि सत्ता पक्ष को सरकारी तंत्र का फायदा मिला। हालांकि राज्य चुनाव आयोग ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराए गए हैं।

▪ स्थानीय मुद्दों का भी दिखा असर

विशेषज्ञों के अनुसार, इस चुनाव में स्थानीय मुद्दे काफी प्रभावी रहे। सफाई व्यवस्था, पेयजल संकट, सीवरेज, ट्रैफिक और सड़कें जैसे मुद्दे कई क्षेत्रों में चुनावी परिणाम तय करने में अहम साबित हुए। कई जगह निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी मजबूत प्रदर्शन किया, जिससे यह संकेत मिला कि स्थानीय स्तर पर व्यक्तिगत छवि और क्षेत्रीय कामकाज का असर अभी भी बरकरार है।

▪ 2027 विधानसभा चुनाव का संकेत

राजनीतिक जानकार इन नतीजों को 2027 विधानसभा चुनाव से पहले का बड़ा संकेत मान रहे हैं। आप जहां इसे जनता के भरोसे का प्रमाण बता रही है, वहीं विपक्ष का कहना है कि स्थानीय निकाय चुनाव और विधानसभा चुनाव के मुद्दे अलग होते हैं। इसके बावजूद इतना साफ है कि पंजाब की राजनीति में शहरी वोटर अब निर्णायक भूमिका निभा रहा है। सभी दल अब रणनीति को आक्रामक बना सकते हैं।

▪ आगे की चुनौती

अब सबसे बड़ी चुनौती विजयी उम्मीदवारों और पार्टियों के सामने शहरी समस्याओं को हल करने की होगी। जनता ने जिन उम्मीदों के साथ मतदान किया है, उन्हें पूरा करना नई नगर परिषदों और निगमों की प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। यदि स्थानीय स्तर पर विकास कार्य तेज नहीं हुए, तो यही चुनावी जीत भविष्य में राजनीतिक नुकसान का कारण भी बन सकती है। फिलहाल राजनीति नए समीकरणों की ओर बढ़ रही है।

पुणे में जहरीली शराब पीने से 13 की मौत, दर्जनों को आंखों में जलन

एजेंसी | पुणे

महाराष्ट्र के पुणे जिले में जहरीली शराब पीने से 13 लोगों की मौत के बाद हड़कंप मच गया है। मृतकों में सबसे ज्यादा 8 लोग पिंपरी चिंचवड़ इलाके के बताए जा रहे हैं। इसके अलावा पुणे शहर और आसपास के क्षेत्रों से भी मौतों की खबर सामने आई है।

पुलिस के मुताबिक, सभी लोगों ने कथित तौर पर एक ही सप्लाई चेन से खरीदी गई अवैध शराब का सेवन किया था। शराब पीने के कुछ घंटों बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। कई लोगों को उल्टी, आंखों में जलन और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मुख्य आरोपी गिरफ्तार

घटना के बाद पुलिस और आबकारी विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए

मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। कई ठिकानों पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में संदिग्ध शराब और केमिकल भी बरामद किए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि शराब में जहरीले रसायन मिलाए जाने की आशंका है। नमूनों को जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा गया है।

घटना की जांच के आदेश

राज्य सरकार ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। वहीं स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अवैध और बिना लाइसेंस वाली शराब से दूर रहने की अपील की है। इस हादसे के बाद इलाके में दहशत और गुस्से का माहौल बना हुआ है।

यूपी के हमीरपुर में बड़ा हादसाः बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल ढहा, 6 मजदूरों की मौत

पुल का हिस्सा गिरते ही मची अफरा-तफरी, कुछ के मलबे में दबे होने की आशंका, देर रात तक जारी रहा बचाव कार्य

▪ एसडीआरएफ और प्रशासन की टीमें चला रहीं रेस्क्यू अभियान, कई टीमें जुटीं

एजेंसी | हमीरपुर

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में शुक्रवार को उस समय बड़ा हादसा हो गया, जब बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा अचानक ढह गया। हादसे के वक्त पुल पर कई मजदूर काम कर रहे थे। भारी भरकम स्लैब और लोहे का ढांचा गिरने से मजदूर मलबे में दब गए।

प्रशासन के मुताबिक, अब तक 6 मजदूरों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई अन्य घायल हैं। कुछ मजदूरों के मलबे में फंसे होने की आशंका भी जताई जा रही है। हादसे

के तुरंत बाद स्थानीय लोग, पुलिस और प्रशासनिक टीमें मौके पर पहुंचीं। एसडीआरएफ और दमकल विभाग की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

प्रारंभिक जांच में तकनीकी खामी या निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। हालांकि प्रशासन ने कहा है कि हादसे के सही कारणों का पता जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। जिला प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को सहायता देने की बात कही है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को तेजी से राहत कार्य पूरा करने और घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन का टिन शेड गिरा, टीटीई समेत 3 घायल

लखनऊ। चारबाग रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म का 60-70 फीट का टिन शेड अचानक गिर पड़ा। हादसे से ठीक पहले एक ट्रेन गुजरी थी, ऐसे में यात्रियों की भीड़ कम थी। लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-5 का टिन शेड शुक्रवार सुबह 8 बजे गिर गया। हादसे में टीटीई और 2 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसी प्लेटफॉर्म पर हावड़ा-देहरादून एक्सप्रेस (13037) प्लेटफॉर्म पहुंच गई थी, जिसे बाद में रुकवा लिया गया।

मॉनसून को नुकसान पहुंचाएगा अल-नीनो

▪ कम बारिश के अनुमान ने बढ़ाई चिंता

▪ भारतीय मौसम विभाग अनुमान राहत भरा, लेकिन अल-नीनो पर नजर

एजेंसी | नई दिल्ली

देश में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की दस्तक के साथ ही इस साल बारिश को लेकर नई तस्वीर सामने आई है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 2026 के मॉनसून सीजन में सामान्य से बेहतर बारिश का अनुमान जताया है। विभाग के मुताबिक, जून से सितंबर के बीच देश में औसतन 104 से 106 प्रतिशत तक बारिश हो सकती है।

हालांकि, मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि प्रशांत महासागर में समुद्री तापमान तेजी से बदल रहा है और अल-नीनो जैसी स्थिति धीरे-धीरे विकसित हो सकती है। यही वजह है कि मौसम एजेंसियां फिलहाल पूरी तरह निश्चिंत नहीं हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अगस्त-सितंबर तक अल-नीनो मजबूत हुआ, तो मॉनसून की रफ्तार प्रभावित हो सकती है।

क्या होता है अल-नीनो?

अल-नीनो एक मौसमी प्रणाली है, जिसमें प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से का समुद्री तापमान सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। इसका असर दुनिया भर के मौसम पर पड़ता है। भारत में आमतौर पर अल-नीनो के दौरान मॉनसून कमजोर पड़ने, कम बारिश और सूखे जैसी स्थिति बनने का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि हर बार इसका असर एक जैसा नहीं होता। कई बार हिंद महासागर डाइपोल जैसी स्थितियां अल-नीनो के प्रभाव को कम भी कर देती हैं।

नए आंकड़े क्या कहते हैं?

अंतरराष्ट्रीय मौसम एजेंसियों और निजी वेदर मॉडल्स के अनुसार, जून और जुलाई में मॉनसून सामान्य रह सकता है, लेकिन अगस्त के बाद बारिश में क्षेत्रीय असमानता बढ़ सकती है। उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम बारिश की आशंका जताई जा रही है। वहीं पूर्वोत्तर और दक्षिणी राज्यों में बेहतर बारिश संभव है।

भारत की करीब आधी खेती अब भी मॉनसून पर निर्भर है। ऐसे में बारिश में थोड़ी भी कमी खाद्यान्न उत्पादन, सब्जियों की कीमत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर असर डाल सकती है। पिछले वर्षों में कमजोर मॉनसून के दौरान दाल, प्याज और टमाटर जैसी फसलों की कीमतों में तेजी देखी गई थी। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि अभी घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन राज्यों को जल प्रबंधन और सिंचाई योजनाओं पर पहले से तैयारी करनी होगी।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि फिलहाल भारत के लिए स्थिति पूरी तरह नकारात्मक नहीं है। हिंद महासागर की परिस्थितियां मॉनसून को सहारा दे सकती हैं। इसके बावजूद अल-नीनो की संभावनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आने वाले दो महीने मॉनसून की असली तस्वीर तय करेंगे।

पेज 1 एंकर स्टोरी — तिरुपति से रामेश्वरम तक धार्मिक यात्रा का खास प्लान

सिर्फ 25,400 रुपये में पांच धामों के दर्शन

▪ चाहने वालों की यादों में रह गए शेर और मुशायरे

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय रेलवे की सहायक कंपनी आईआरसीटीसी ने श्रद्धालुओं के लिए एक नया और किफायती धार्मिक टूर पैकेज लॉन्च किया है। इस पैकेज के तहत यात्रियों को दक्षिण भारत के पांच प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। यात्रा में तिरुपति बालाजी, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी और त्रिवेंद्रम जैसे धार्मिक और पर्यटन केंद्र शामिल हैं।

आईआरसीटीसी के अनुसार, इस पैकेज की शुरुआती कीमत 25,400 रुपये प्रति व्यक्ति रखी गई है। पैकेज में ट्रेन यात्रा, होटल में ठहरने, भोजन और स्थानीय परिवहन जैसी सुविधाएं शामिल हैं। रेलवे का दावा है कि कम बजट में ज्यादा धार्मिक स्थलों की यात्रा कराने के उद्देश्य से यह योजना तैयार की गई है।

कितने दिनों की होगी यात्रा?

यह धार्मिक यात्रा करीब 8 से 9 दिनों की होगी। यात्रियों को भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के जरिए विभिन्न शहरों तक ले जाया जाएगा। ट्रेन में सुरक्षा, साफ-सफाई और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, यात्रियों को मंदिर दर्शन के साथ स्थानीय पर्यटन स्थलों को देखने का भी मौका मिलेगा। पैकेज में गाइड और यात्रा समन्वयक की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

पैकेज में क्या-क्या शामिल?

यात्रा माध्यमःभारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन

प्रमुख स्थलःतिरुपति, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी, त्रिवेंद्रम

शुरुआती कीमतः25,400 रुपये प्रति व्यक्ति

सुविधाएंःट्रेन टिकट, होटल, भोजन, लोकल ट्रांसपोर्ट

अवधि लगभगः 8-9 दिन

बुकिंग कैसे करें?

आईआरसीटीसी ने बताया कि यात्री इसकी बुकिंग ऑनलाइन और अधिकृत रेलवे पर्यटन केंद्रों के जरिए कर सकते हैं। सीटें सीमित होने के कारण शुरुआती दिनों में ही अच्छी प्रतिक्रिया मिलने की बात कही जा रही है। यात्री आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप के जरिए भी पैकेज की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। रेलवे ने यात्रियों को किसी भी अनधिकृत एजेंट से सावधान रहने की सलाह दी है।

पिछले कुछ वर्षों में आईआरसीटरसी लगातार धार्मिक पर्यटन से जुड़े विशेष पैकेज लॉन्च कर रहा है। रामायण सर्किट, ज्योतिर्लिंग यात्रा और चारधाम यात्रा के बाद अब दक्षिण भारत के तीर्थ स्थलों को जोड़ने वाला यह पैकेज भी श्रद्धालुओं को आकर्षित कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे पैकेज मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए धार्मिक यात्रा को आसान बनाते हैं। साथ ही रेलवे को भी पर्यटन के जरिए अतिरिक्त आय का नया स्रोत मिलता है।

यूपीएससी में कभी पेपर लीक नहीं हुआ, एनटीए को सीखने की जरूरत

▪ सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर चिंता

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने देश में बढ़ते पेपर लीक मामलों पर सुनवाई के दौरान कहा कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही बेहद जरूरी है। अदालत ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि लगातार सामने आ रही गड़बड़ियां छात्रों के भविष्य को प्रभावित कर रही हैं।

कोर्ट ने टिप्पणी की कि यूपीएससी जैसी संस्था ने वर्षों तक अपनी परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखी है और वहां पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने नहीं आईं। ऐसे में अन्य एजेंसियों को भी उससे सीख लेने की जरूरत है। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि केवल जांच बैठाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। जब तक जिम्मेदार अधिकारियों और संस्थाओं की जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक पेपर लीक की घटनाएं जारी रह सकती हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि लाखों छात्र कठिन मेहनत से परीक्षाओं की तैयारी करते हैं और ऐसी घटनाएं उनके मनोबल को तोड़ती हैं। इसलिए परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाना सरकार और एजेंसियों की जिम्मेदारी है।

छात्रों और विशेषज्ञों की प्रतिक्रिया

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अदालत की टिप्पणी परीक्षा सुधारों की दिशा में बड़ा संकेत है। कई छात्र संगठनों ने भी पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुरक्षित परीक्षा प्रणाली की मांग दोहराई है। फिलहाल, कोर्ट की टिप्पणी के बाद परीक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बहस फिर तेज हो गई है।